पाठ-बोध

प्रश्नों के उत्तर दें—

- **मौखिक** *(Oral)*
  - i) नहीं, बिना चले मंज़िल तक नहीं पहुँचा जा सकता।
  - ii) कविता के अनुसार मोती सागर के गहरे पानी में मिलते हैं।
  - iii) स्वयं ज्ञान पाए बिना घर-घर ज्ञान की ज्योति नहीं जलाई जा सकती यानी दूसरों को शिक्षित नहीं किया जा सकता।
  - iv) विद्या-धन परिश्रम से पाया जा सकता है।
- **लिखित** *(Written)*
  - i) अपनी इच्छा पूरी करने के लिए परिश्रम करना ज़रूरी है। बिना परिश्रम के न तो हम विद्या प्राप्त कर सकते हैं और न ही अज्ञानता दूर कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner

ii) सागर से मोती लाने के लिए गोताखोर गहरे पानी में जाते हैं क्योंकि मोती गहरे पानी में ही मिलते हैं। वे डुबकी लगाकर मोती निकाल लाते हैं।

iii) हमें सफलता पाने के लिए मेहनत करनी चाहिए। मेहनत ही सफलता का मूलमंत्र है।

iv) कविता का संदेश है— परिश्रम करने से ही सफलता मिलती है। परिश्रम से कठिन राह आसान हो जाती है। मेहनत से पाया गया ज्ञान और धन सदा हमारे साथ रहता है।

व्याकरण-बोध

1. पर्यायवाची शब्द पढ़ें, समझें और लिखें—

सागर — ····समुद्र, जलधि, अंबुधि, वारिधि····
पर्वत — ····पहाड़, गिरि, नग, शैल····
जल — ····नीर, पानी, वारि, सलिल····
वायु — ····हवा, पवन, अनिल, मारुत····

2. दी गई पंक्तियों में क्रिया शब्द रेखांकित करके सामने लिखें—

i) गहरे पानी में गोता खाना पड़ता है। ····खाना पड़ता है····
ii) ज्ञान पाकर घर-घर जोत जला सकते हो। ····जला सकते हो····
iii) सागर से मोती लाने पड़ते हैं। ····लाने पड़ते हैं····
iv) मेहनत से सब इच्छाएँ पूरी होंगी। ····होंगी····

3. दी गई पंक्तियों में क्रिया का काल सामने लिखें—

i) मनचाहा सब मिल जाएगा ····भविष्यतकाल····
ii) मन की बात नहीं होती थी ····भूतकाल····
iii) मोती सागर में होते हैं ····वर्तमानकाल····
iv) जो चाहोगे हो जाएगा ····भविष्यतकाल····

Scanned with CamScanner